



“भारत में उधम पूंजी के विकास पर एक अध्ययन”

धर्मेन्द्र सिंह¹

शोध छात्र

वाणिज्य विभाग

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय

गोरखपुर –273009

दिव्यांश राय²

शोध छात्र

वाणिज्य विभाग

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय

गोरखपुर –273009

सारांश

उधम पूंजी ऐसी पूंजी है जो ऐसी परियोजनाओं में निवेश की जाती है जिसमें जोखिम के पर्याप्त तत्व होते हैं आमतौर पर यह पूंजी या तो नई परियोजनाओं में निवेश की जाती है या फिर वहाँ पर जहाँ व्यवसाय का विस्तार किया जा रहा हो। इस अध्ययन के उद्देश्य उधम पूंजी के बारे में परिचित होने, भारत में शीर्ष दस प्रदर्शन करने वाले उधम कोष की पहचान करना, हमारे राष्ट्र में उधम पूंजी कोष के वर्तमान परिदृश्य के बारे में जानना और हमारी उर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में उधम पूंजी निवेश के विकास का विश्लेषण करना है। अध्ययन से यह निष्कर्ष निकला कि हम भारत में उधम पूंजी वित्तपोषण और इसकी चुनौतियों और सम्भावनाओं के बारे में एक स्पष्ट विचार प्राप्त कर सकते हैं। उधम पूंजी से अपरिचित है क्योंकि उन्हे लगता है कि उधम पूंजी निवेश पर एक असाधारण उच्च रिटर्न की माँग कर रही है हलांकि यह समझना महत्वपूर्ण है कि अच्छी परिस्थितियों में केवल उन कम्पनियों की संख्या कम है जिसमें उधम पूंजीपतियों का निवेश सफल होगा। निवेशकों की नजर में इसे रखने से पहले पूंजीगत वित्त को निवेश करने से पहले सतर्क रहना चाहिए।

मुख्य शब्द— उधम, पूँजी, वित्तपोषण,

परिचय :-

भारत में उधम पूँजी वित्त नब्बे के दशक से जाना जाता है। अब यह उन सभी व्यावसायिक फर्मों के लिए सफलतापूर्वक उभरकर सामने आया है जो जोखिम वाली परियोजनाओं को उठाती है जिसमें विकास की उच्च सम्भावनाएँ हैं। उधम पूँजी उन सभी निजी संस्थाओं के लिए सही है जो समाज से वित्त नहीं लेना चाहती है। उधम पूँजी छोटे स्तर के उधमों (उपक्रम) के लिए वित्तपोषण के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उधम पूँजी वित्त को अक्सर नए और युवा उधमों के शुरुआती चरण के वित्तपोषण के रूप में माना जाता है जो तेजी से बढ़ने की कोशिश करते हैं। प्रैट के अनुसार : एक गलत धारणा है कि अमेरिकी उधम पूँजीपति के निवेश निर्णय के पीछे उच्च तकनीकी प्रमुख ड्राइविंग कारक है। उधम पूँजी निवेश का केवल एक छोटा सा हिस्सा प्रौद्योगिकी की नई अवधारणाओं में है, जहाँ संभावित तकनीकी समस्याएं नए व्यावसायिक विकास के लिए महत्वपूर्ण मात्रा में जोखिम को जोड़ती हैं।

सहित्य की समीक्षा :-

1. प्रशान्त टी० पाटिल, डा० वी०एन० सोनकर, और डा० मधुलिका एवं सोनवणे (2016), भारत में उधम पूँजी उद्योग अनुकूल आर्थिक परिस्थितियों और अनुकूल व्यापार प्रदर्शन के कारण तेजी से बढ़ रहा है। उधम पूँजी, विचार उत्पाद व्यवहार्यता व्यापार स्थिरता और प्रतिस्पर्धा निवेश के प्रस्ताव की स्क्रीनिंग में उधम पूँजी फर्मों द्वारा विचार किए गए माँग पक्ष पर प्रमुख निर्धारक है। और अंत में अध्ययन से यह भी पता चलता है कि निवेशक उधम में प्रबन्धकीय नियंत्रण की तलाश कर रहे हैं जहाँ वे निवेश करने जा रहे हैं क्योंकि उनके निवेश प्रारम्भिक और विकास के चरण में जोखिम में है।
2. ग्रोह, ए०पी० और वॉन लिकटेंस्टीन, एच० (2011) ने अपने अन्तिम गंतव्य, उधमशीलता उपक्रमों के लिए बिचौलियों के रूप में उधम पूँजी कोष के माध्यम से संख्यागत निवेशकों से पूँजी प्रवाह के ज्ञान में योगदान दिया। उन्हें लेनदेन के लिए अपेक्षित सौदा प्रवाह और वृद्धि एक उधम पूँजी विधि के ऐतिहासिक ट्रैक रिकार्ड, उधमी स्थानीय बाजार का अनुभव, प्रस्तावित निवेश रणनीति के साथ टीम के सदस्यों के अनुभव का मेल, टीम की प्रतिष्ठा के शीर्ष मानदण्ड मिले। और तंत्र में निवेशकों और उधम पूँजी कोषों के बीच साथ संरेखित करने का प्रस्ताव दिया।
3. सेल्वा कुमार और केथराज (2009) ने अपनी मानव पूँजी तकनीकी कौशल, लागत, प्रतिस्पर्धी कार्यबल, अनुसंधान और उधमिता के माध्यम से निहित ताकत दी है। भारत स्थायी रूप से

- धन सृजन और तेजी से आर्थिक विकास की एक क्रान्ति ला सकता है। जोखिम वित्त और उधम पूँजी संवर्धन की आवश्यकता है जिससे नवाचार का लाभ उठा सकते हैं, उच्च प्रौद्योगिकी को बढ़ावा दे सकते हैं, और ज्ञान आधारित विचारों का उपयोग कर सकते हैं।
4. सुबबुलक्ष्मी (2009) ने भारत में उधम पूँजी उद्योग पर एक संपादित पुस्तक प्रकाशित की थी। यह पुस्तक उधमिता (उधमशीलता) की भूमिका के सम्बन्ध में विभिन्न शोध लेखों को संकलित करती है जिससे उधमशीलता में समग्र आर्थिक विकास होता है। भारतीय उधम पूँजी उद्योग की उत्पत्ति और नियामक ढांचा और साथ ही अमेरिका, ताईवान और चीन में उधम पूँजी का विकास।
 5. कुमार और कौर (2003) ने इस अध्ययन में कहा कि लक्ष्य बाजार में निरन्तर प्रयास की आवश्यकता थी जो कि बहुत ही सूक्ष्म था। इस शोध ने निष्कर्ष निकाला कि भारतीय उधम पूँजीपति उच्च प्रौद्योगिकी उपक्रमों के पक्षपाती प्रतीत नहीं होते और सफल उपक्रमों की संख्या भी उच्च तकनीकी वाली नहीं है।
 6. मेसन और हैरिसन (1999), मिश्रा (2005) उधम पूँजी महत्वपूर्ण वैश्विक व्यवसायों में विकसित करने की क्षमता के साथ युवा तेजी से बढ़ते उच्च जोखिम वाले तकनीकी निजी कम्पनियों के लिए इक्विटी पूँजी और प्रबन्धकीय समर्थन प्रदान करके उधमिता की प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।
 7. फ्राइड और हाथरिक (1999) ने वर्णन किया कि उधम पूँजीपति उन प्रस्तावों को समाप्त करते हैं जो उधम पूँजी फर्मों के निवेश मानदंडों को पूरा करने में असमर्थ हैं। कुछ उपक्रम पहले कुछ क्षेत्रों में असफल थे, और आमतौर पर निराशजनक प्रतीत होते हैं। कुछ त्वरित और व्यापक मानदंडों का उपयोग अक्सर उन सौदों का चयन करने के लिए किया जाता है जो बाद में पूर्ण मूल्यांकन के अधीन होंगे।
 8. बोगरेव और टिममन (1992) उधम पूँजी प्रक्रिया की प्रकृति में निवेशको (सीमित, साझेदारों), उधम पूँजी, फर्मों (सामान्य साझेदारों) और पोर्टफोलियों कंपनियों/उधमियों के बीच लेन-देन शामिल है इस अध्ययन में विशेष ध्यान दिया गया था।

उधम पूँजी वित्त क्या है ?

यह ऐसी पूँजी है जो ऐसी परियोजनाओं में निवेश की जाती है जिसमें जोखिम के पर्याप्त तत्व होते हैं, आमतौर पर यह पूँजी या तो नई परियोजनाओं में निवेश की जाती है या फिर वहाँ पर जहाँ व्यवसाय का विस्तार किया जा रहा हो। उधमी अक्सर पूँजीपतियों को पैसे के लिए उकसाते हैं क्योंकि उनकी कंपनी इतनी नई अप्रमाणित और जोखिम भरी है कि

वित्तपोषण के परम्परागत रूप, जैसे कि बैंको के माध्यम से आसानी से उपलब्ध नहीं है। वित्तपोषण के अन्य रूपों के विपरीत, जहाँ उधमियों को केवल श्रृण राशि और ब्याज का भुगतान करने की आवश्यकता होती है, उधम पूँजी निवेश आमतौर पर कंपनी में स्वामित्व शेयरों के बदले आते हैं।

परिभाषा :-

स्टार्टअप कंपनियों को निश्चित मात्रा में निवेश की जरूरत होती है। धनी निवेशक लंबी अवधि के विकास के नजरिए से ऐसे व्यवसायों में अपनी पूँजी लगाना पसंद करते हैं। यह पूँजी उधम पूँजी के रूप में जानी जाती है और निवेशकों को उधम पूँजीपति कहा जाता है।

अध्ययन की आवश्यकता :-

1. अध्ययन का आयोजन जागरूकता पैदा करने और उधम पूँजी वित्त के बारे में व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने के लिए किया गया है।
2. उधम पूँजी निधि की पहचान करना जो भारतीय प्रतिभूति विनियम बोर्ड (सेबी) में सूचीबद्ध है।

अध्ययन के उद्देश्य :-

1. एक नई अंतर्दृष्टि प्राप्त करने और उधम पूँजी कोष के बारे में परिचित होने के लिए।
2. भारत में शीर्ष दस प्रदर्शन करने वाले उधम पूँजी कोष की पहचान करना।
3. हमारे राष्ट्र में उधम पूँजी कोष के वर्तमान परिदृश्य के बारे में जानना।
4. हमारी अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में उधम पूँजी निवेश के विकास का विश्लेषण करना।

अध्ययन का क्षेत्र :-

वित्तपोषण के विभिन्न साधन भारत में उधमियों के लिए उपलब्ध हैं, लेकिन यह अध्ययन केवल उधम पूँजी वित्तपोषण को कवर करता है इस अध्ययन में अन्य प्रकार के वित्तपोषण को बाहर रखा गया है।

भारत में उधम पूँजी का विकास :-

भारत में संगठित उधम पूँजी उद्योग का विकास जैसा कि आज अस्तित्व में है, समाजवादी प्रतिमानों के समग्र ढाँचे से उत्पन्न संसाधन की कमी के कारण धीमा और बेलगाम है। यद्यपि नए व्यवसायों के लिए धन बैंकों और सरकारी स्वामित्व वाले विकसित वित्तीय संस्थानों से उपलब्ध था, लेकिन इसे परियोजना वित्तपोषण के आधार पर संपात्तिवर्क आधारित धन के रूप में प्रदान किया

गया था। जिसने सबसे नए उधमियों विशेष रूप से जो प्रौद्योगिकी और सेवाओं पर आधारित थे, के लिए यह मुश्किल बना दिया अपने विचारों और व्यवसायों के लिए धन जुटाने के लिए। अधिकांश उधमियों को अपने उधमिता के सपनों को साकार करने के लिए अपने स्वयं के वित्तीय संसाधनों और अपने परिवार और शुभचिंतकों या निजी वित्त पर निर्भर रहना पड़ता था।

1972 में छोटे और माध्यम उधमों के विकास पर एक समिति ने नए उधमियों और प्रौद्योगिकी के वित्तपोषण के स्रोत के रूप में उधम पूँजी को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। इसके परिणामस्वरूप अगले डेढ़ दशक में जरूरतमंद तकनीकी पूँजी उन्मुख छोटे और मध्यम उधमों (एस0एम0ई0) में उधम पूँजी कोष की सुविधा के लिए कुछ वृद्धिशील कदम उठाए गए।

राष्ट्रीय वित्तीय संस्थान :-

1. भारतीय औद्योगिक वित्त निगम (IFCI-1948) उद्योगों को मध्यम और दीर्घकालिक वित्त प्रदान करता है। आई0एफ0सी0आई0 द्वारा प्रायोजित जोखिम पूँजी नींव 1975 में नई प्रौद्योगिकियों और व्यवसायों को बढ़ावा देने और समर्थन करने के लिए स्थापित की गई थी।
2. भारतीय औद्योगिक ऋण और निवेश निगम (आई0सी0आई0सी0आई0लिमिटेड (1955) का प्राथमिक उद्देश्य औद्योगिक चिंताओं की विदेशी विनिमय आवश्यकताओं को पूरा करना और निजी क्षेत्र में मध्यम और बड़े उद्योगों को बढ़ावा देना है। वाणिज्यिक प्रौद्योगिकी (PACT) योजना की उन्नति के लिए कार्यक्रम आई0सी0आई0सी0आई0 द्वारा 1985 में 1988 में किया गया था। आई0सी0आई0सी0आई0 भारत में यूनिट ट्रस्ट के साथ एक उधम पूँजी प्रदाता के रूप में उभरा। जैसा कि अब भारत में कई उधम पूँजी संस्थान हैं। आई0सी0आई0सी0आई0 जैसे वित्तीय बैंकों ने इसमें कदम रखा है और उनकी अपनी उधम पूँजी सहायक कंपनियां हैं।
3. भारतीय औद्योगिक विकास बैंक (आई0डी0बी0आई0-1964) अन्य वित्तीय संस्थानों की गतिविधियों का समन्वय करता है, मध्यम और बड़े उद्योगों की योजना बनाने और बढ़ावा देने के लिए अपने संसाधनों की आपूर्ति करता है, प्रारंभिक (बीज पूँजी) पूँजी योजना और राष्ट्रीय इक्विटी योजना आई0डी0बी0आई0 1976 में स्थापित की गयी थी। 1986-87 के बजट में उधम पूँजी के विचार ने गति प्राप्त की। 1987 में आई0डी0बी0आई0 द्वारा मंगाई गई उधम विधि के कोष को बनाने के लिए सभी जानते हैं कि आयात पर 5 प्रतिशत उपकर लगाया था। बाद में विश्व बैंक द्वारा निजी क्षेत्र में उधम पूँजी के विकास की

संभावना की जांच के लिए एक अध्ययन किया गया, जिसके आधार पर भारत सरकार ने एक नीतिगत पहल की और 1988 में भारत में उधम पूँजी कोष (VCF₅) के लिए दिशा-निर्देशों की घोषणा की।

4. भारतीय औद्योगिक पून निर्माण बैंक (आई0आर0बी0आई01985) एक उधार और पुर्ननिर्माण एजेंसी के रूप में कार्य करता है और सावधि ऋण, हामीदारी गारंटी आदि के रूप में सावधि ऋण में वित्त प्रदान करता है।
5. भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी-1990) यह लघु उद्योगों के विकास के लिए वित्त प्रदान करता है।

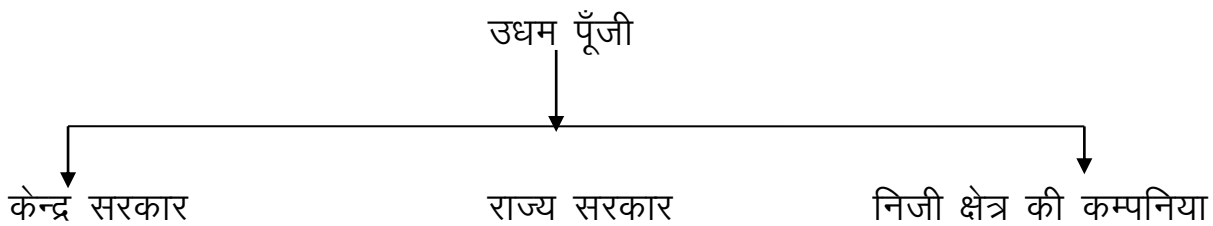
विशेष संस्थान :-

1. जोखिम पूँजी और प्रौद्योगिकी वित्त निगम लिमिटेड (RCTC-1988) परियोजना के संवर्धन स्थानांतरण और नई प्रौद्योगिकियों के अनुकूलन के लिए जोखिम पूँजी और प्रौद्योगिकी वित्त प्रदान करता है।
2. भारतीय तकनीकी विकास और सूचना कम्पनी लिमिटेड (टी0डी0आई0सी0आई0- 1988) की स्थापना ICICI और UTI के साथ संयुक्त रूप से की गई थी, जो परियोजना ऋण आदि के रूप के रूप में सहायता प्रदान करने के लिए टेक्नोक्रेट उधमियों द्वारा परिकल्पित लघु और मध्यम उद्योगों को प्रदान करता है।
3. टूरिज्म फाइनेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (टी0एफ0सी0आई0-1989) रुपये ऋण के रूप में सहायता प्रदान करता है, अंडरशाइटिंग सिक्क्यूरिटीज, अवकाश रिपोर्ट, होटल, मनोरंजन पार्क और मनोरंजन परिसर सहित पर्यटन उद्योग के विकास के लिए उपकरण पट्टे पर देता है।

राज्य स्तर के वित्तीय संस्थान :-

1. राज्य वित्त निगम (एस0एफ0सी0-1951) अपने-अपने राज्यों में मध्यम और लघु उद्योगों को सहायता प्रदान करता है।
2. राज्यों के औद्योगिक विकास निगम (एस0आई0डी0सी0) सावधि ऋण, अंडरराइटिंग प्रतिभूति और प्रत्यक्ष सदस्यता में सहायता प्रदान करते हैं। उनमें से कुछ व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार करने और औद्योगिक संपदा विकसित करने में संलग्न हैं।
3. भारत में समय के साथ वित्तीय निवेश की प्रक्रिया काफी विकसित हुई है। पहले केवल वाणिज्यिक बैंक और कुछ वित्तीय संस्थान थे लेकिन अब भारत में उधम पूँजी निवेश

संस्थान बहुत बढ़ गए हैं। व्यावसायिक फर्म अब विस्तार पर ध्यान केन्द्रित करते हैं क्योंकि उन्हें उधम पूँजी के साथ वित्तीय सहायता मिल सकती है। भारत में अब व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा के पैमाने और गुणवत्ता में वृद्धि हुई है, अंतराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के साथ उधम पूँजी में निवेश करने वाली कई विकास उन्मुख व्यवसाय फर्मों की संख्या बढ़ी है।



केन्द्र सरकार :-

प्राधिकरण की शक्ति भारत सरकार के हाथों में निहित है, केन्द्र सरकार द्वारा नियंत्रित विकास वित्त संस्थानों द्वारा प्रवर्तित उधम पूँजी वित्त के कुछ उदाहरण इस प्रकार हैं सिडबी उधम पूँजी लि० (एस०बी०सी०एफ०) आई० एफ०सी०आई० उधम पूँजी लि० (आई०वी०सी०एफ०)

राज्य सरकार :-

अधिकार की शक्ति राज्य सरकार के हाथों में निहित होती है, राज्य सरकार द्वारा प्रवर्तित उधम पूँजी वित्त के कुछ उदाहरण इस प्रकार हैं, गुजरात वेंचर फाइनेंस लिमिटेड (जी०वी०एफ०एल०), केरला वेंचर कैपिटल फंड प्राइवेट लिमिटेड, पंजाब इन्फोटेक वेंचर फंड, हैदराबाद, इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी वेंचर इंटरप्राइजेज लिमिटेड (HITVEL)

निजी क्षेत्र की कम्पनियाँ :-

अधिकार की शक्ति निजी क्षेत्र की कंपनियों के हाथों में निहित है, नियंत्रित किए गए निजी क्षेत्र द्वारा प्रवर्तित उधम पूँजी वित्त के कुछ उदाहरण इस प्रकार हैं— IL और FS ट्रस्ट कंपनी लिमिटेड और इन्फिनिटी वेंचर इण्डिया फंड आदि।

भारत में उधम पूँजी फंड की दिसम्बर 2020 की सूची :-

1.	अविष्कार इण्डिया माइकों वेंचर कैपिटल फण्ड
2.	अबोन इण्डिया ट्रस्ट
3.	एक्सेस इण्डिया ट्रस्ट
4.	अधरशिला वेंचर कैपिटल फण्ड
5.	आदित्य बिरला प्राइवेट इक्विटी ट्रस्ट
6.	आदित्य बिरला रियल स्टेट फण्ड
7.	अकृति सिटी वेंचर कैपिटल फण्ड
8.	ए0एस0के0 प्रावी प्राइवेट इक्विटी आपारचुनिटी फण्ड
9.	अमिबीत प्रगमा फण्ड
10.	आनंद राठी रियलटी फण्ड
11.	अपिडक (ए0पी0आई0डी0सी0)
12.	अरिस्टन ईट फण्ड
13.	एसमोर सेन्द्रम इण्डिया रिकैप फण्ड
14.	एशिया पेशीफिक हेल्थकेयर एडबाइजार प्राइवेट लिमिटेड
15.	ए0एस0के0 रियल एस्टेट स्पेशल अपारचुनिटी फण्ड
16.	अतिवीर वेंचर कैपिटल ट्रस्ट
17.	औरपुश इण्डिया फंड
18.	अबेन्डस एस फंड ट्रस्ट
19.	एक्सिस होल्डिंग प्राइवेट लिमिटेड
20.	एक्सिस प्राइवेट इक्विटी लिमिटेड
21.	ब्लूम बेंचर्स फंड
22.	बी0टी0एस0 इण्डिया प्राइवेट इक्विटी फंड लिमिटेड

23.	बिजनेस ऐक्सीलेंस ट्रस्ट II(मोतीलाल ओसवाल)
24.	बिट्स ग्रोथ फंड
25.	कैन बैंक बेंचर कैपिटल फंड
26.	चीकटेल प्राइवेट लिमिटेड
27.	सी0आई0जी0 रियलटी फंड
28.	सिनेमा कैपिटल बेंचर फंड
29.	डी0एच0एफ0एल0 बेंचर कैपिटल ट्रस्ट
30.	डी0एच0एफ0एल0 बेंचर कैपिटल फंड
31.	डन कार मेनेजमेंट एण्ड रिसर्च इण्डिया प्राइवेट लि0
32.	इर्मजिंग इण्डिया फण्ड
33.	इनाम इण्डिया इन्फ्रास्ट्रक्चर फण्ड
34.	यूरेका बेंचर फण्ड
35.	एक्सपोनेटिया बेंचर कैपिटल फण्ड
36.	फेयरिंग कैपिटल इण्डिया इवाल्विंग फण्ड
37.	फेलिसटास बेंचर कैपिटल ट्रस्ट
38.	फायर कैपिटल फण्ड
39.	फूटप्रिंट बेंचर इण्डिया फण्ड
40.	गज कैपिटल इण्डिया फण्ड
41.	ग्रीन इण्डिया बेंचर फण्ड
42.	ग्रोथ प्लस रियल एस्टेट फण्ड
43.	गुजरात वाइयोटेक्नोलॉजी बेंचर फण्ड
44.	गुजराज इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलेपमेंट फण्ड
45.	गुजराज वी0सी0एफ0 1990
46.	गुजरात वेंचर कैपिटल फण्ड 1995

47.	जी0वी0एफ0एल0 (GVFL) बेंचर कैपिटल फण्ड
48.	हाई स्ट्रीट बेंचर कैपिटल ट्रस्ट
49.	हाइव (HIVE) फण्ड
50.	एच0वी0टी0सी0एल0 (HVTCL)
51.	आई फार्म प्राइवेट इक्विटी ट्रस्ट
52.	आई ई0 ट्रस्ट
53.	आई0सी0आई0 प्रोडेनसियल बेंचर कैपिटल फण्ड
54.	आई0सी0आई0सी0आई0 बेंचर फण्ड मैनेजमेन्ट कम्पनी लिमिटेड
55.	आई0सी0आई0सी0आई0 बेंचर फण्ड्स मैनेजमेन्ट क0लि0
56.	आई0सी0आई0सी0आई0 बेंचर फण्ड्स मैनेजमेन्ट क0लि0
57.	आई0सी0आई0सी0आई0 बेंचर फण्ड्स मैनेजमेन्ट क0लि0
58.	आई0सी0आई0सी0आई0 बेंचर फण्ड्स मैनेजमेन्ट क0लि0
59.	आई0डी0एफ0सी0इन्फ्रास्ट्रक्चर फण्ड-2
60.	आई0डी0एफ0सी0एस0पी0आई0सी0ई0 फण्ड
61.	आई0डी0एफ0सी0 एण्ड एफ0एस0 ओरिक्स ट्रस्टी क0लि0
62.	आई0एल0एण्ड एफ0एस0 ओरिक्स ट्रस्ट
63.	आई0एल0एण्ड एफ0एस0 ओरिक्स ट्रस्ट
64.	आईलब्स लेंचर कैपिटल फण्ड
65.	इण्डिया एडबान्टेज फण्ड टी0एस0-2
66.	इण्डिया एडबान्टेज एस0-3
67.	इण्डिया एडबान्टेज फण्ड -v
68.	इण्डिया एडबान्टेज फण्ड-viii
69.	इण्डिया एल्फा ट्रस्ट ।
70.	इण्डिया अलटरनेटिब्स प्राइवेट इक्विटी फण्ड ।

71.	इण्डिया अलटरनेटिक्स प्राइवेट इक्विटी फण्ड
72.	डवलपमेन्ट इण्डिया डवलमेन्ट एण्ड कन्सट्रक्सन फण्ड
73.	इण्डिया एजुकेशन फण्ड
74.	इण्डिया इंफोलाइन बेंचर कैपिटल फण्ड
75.	इण्डिया इन्फ्रास्ट्रक्चर डवलपमेन्ट फण्ड
76.	इण्डिया इनोवेशन फण्ड
77.	इण्डिया ट्रस्ट प्लस
78.	इण्डिया पिरौप्रद्री फण्ड i
79.	इण्डिया रियलटी फण्ड
80.	इण्डिया रियलटी बेंचर कैपिटल फण्ड
81.	इण्डिया आईजिग फण्ड
82.	इण्डिया वेल्यू फण्ड (प्रीवियसली नोन एज इण्डिया ह्यूमन कैपिटल फण्ड)
83.	इण्डिया वेल्यू फण्ड iii-ए
84.	इण्डिया वेल्यू फण्ड iv
85.	इण्डिया निवेश बेंचर कैपिटल फण्ड
86.	इण्डिया रीट फण्ड
87.	इण्डिया बेंचर ट्रस्ट
88.	इन्डस बालाजी इनवेस्टर ट्रस्ट
89.	इन्डसट्रियल बेंचर कैपिटल लिमिटेड
90.	इन्डसट्रियल बेंचर कैपिटल लिमिटेड
91.	इनटेलीग्रुप बेंचर फण्ड
92.	इनवेस्टकॉरप इन्फ्रास्ट्रक्चर फण्ड i
93.	इप्रो (IPRO) कैपिटल प्राइवेट इक्विटी ट्रस्ट

94.	आईवीआई (IVY) कैप वेंचरस ट्रस्ट
95.	जेएम फाइनेंशियल प्रॉपर्टी फण्ड
96.	केई (KAE) कैपिटल फण्ड
97.	काईजन ट्रस्ट
98.	काईजन वेंचर कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड
99.	कर्नाटका इनफोरमेशन टेक्नोलॉजी वेंचर कैपिटल फण्ड
100.	कर्नाटका इनफोरमेशन टेक्नोलॉजी वेंचर कैपिटल फण्ड-2
101.	कर्नाटका वेंचर कैपिटल फण्ड
102.	केरला वेंचर कैपिटल फण्ड
103.	कोटक इण्डिया ग्रोथ फण्ड ii
104.	कोटक इण्डिया वेंचर फण्ड i
105.	कोटक महिन्द्रा रियलटी फण्ड
106.	कोटक महिन्द्रा वीसीएफ (VCF)
107.	कोटक एसआईएफ इण्डिया फण्ड
108.	क्षितिज वेंचर फण्ड
109.	.केएसके ट्रस्ट प्राइवेट लिमिटेड
110.	लैंडमार्क रियल एस्टेट फण्ड-i
111.	लीपरटार्ट ट्रस्ट
112.	लिचर एसआईसीएचएफएल ट्रस्टी कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड
113.	मैगनेट वेंचर इण्डिया ट्रस्ट
114.	मैरीगोल्ड मैजमीन इनवेस्टमेंट फण्ड
115.	माइलस्टोन इण्डिया ग्रोथ फण्ड
116.	माइलस्टोन प्राइवेट इक्विटी फण्ड

117.	माइलस्टोन रियल एस्टेट फण्ड (फॉरमुरली नॉन एज इण्डियन रियल आपरचूनिटी
118.	वेचर कैपीटल फण्ड
119.	मूनबीम रियल एस्टेट फण्ड
120.	मर्फियस मीडिया फण्ड
121.	मल्टीप्लेस प्राइवेट इक्विटी फण्ड
122.	.एन0ए0
123.	नागार्जन बेंचर कैपीटल फण्ड
124.	नेशनल बेंचर फण्ड फॉर साफ्टवेयर एण्ड इट इण्डिस्ट्री
125.	नेटवर्क इण्टरप्राइज फण्ड
126.	नेक्ट ओरवित बेंचर्स फण्ड।
127.	नीलांचल कैपीटल प्रा0लि0।
128.	नाइन रिवर्स कैपीटल ट्रस्ट—i
129.	नॉट एप्लीकेवल।
130.	एन0वी0 (NV) इण्डिया ट्रस्ट।
131.	ओमान इण्डिया ज्वाइन्ट इन्वेस्टमेन्ट फण्ड
132.	ओमिनीवोर इण्डिया कैपीटल ट्रस्ट
133.	ओपूलण्ट बेंचर कैपीटल ट्रस्ट
134.	ओरेंज बेंचर कैपीटल ट्रस्ट
135.	पत्नी न्यू एज ट्रस्ट
136.	पेनिनशिला रियलटी ट्रस्ट
137.	फाई (PHI) कैपीटल ट्रस्ट
138.	पंजाब इन्फोटेक बेंचर फण्ड
139.	कोयस्ट (Quest) इण्डिया फण्ड

140.	राजस्थान बेंचर कैपिटल फण्ड
141.	रेड फोर्ट इण्डिया रियलटी फण्ड
142.	रेडवुड्स कैपिटल ट्रस्ट
143.	रिलायंस अलटरनेटिबस इनवेस्टमेंट फण्ड्स (फॉरली नॉन एज रिलायंस कैपिटल
144.	बेंचर फण्ड
145.	रिलायंस इण्डिया पावर फण्ड
146.	आर०वी०सी०एफ० ट्रस्ट –ii
147.	शसी रेड्डी इनवेस्टमेंट कैपिटल फण्ड
148.	एस०बी०आई० मैक्वरी इन्फ्रास्ट्रक्चर ट्रस्ट
149.	एस०ई०ए०एफ० इण्डिया इनवेस्टमेंट ट्रस्ट
150.	सिक्वोरा इण्डिया रियल एस्टेट फण्ड
151.	सिकॉम बेंचर कैपिटल फण्ड
152.	सिडवी एस०एम०ई० बेंचर कैपिटल फण्ड
153.	सोलिटेपर कैपिटल ट्रस्टीज प्रा०लि०
154.	स्पाइस कैपिटल फण्ड
155.	स्प्रिंग हेल्थकेयर इण्डिया ट्रस्ट
156.	एस०आर०ई०आई० बेंचर कैपिटल ट्रस्ट
157.	शुभकाम ग्रोथ फण्ड
158.	सिस्टेमेट्रिक्स बेंचर कैपिटल ट्रस्ट
159.	तारा इण्डिया फण्ड iii डोमेस्टिक ट्रस्ट
160.	तारा इण्डिया फण्ड iii ट्रस्ट
161.	तारा इण्डिया फण्ड iv ट्रस्ट
162.	टाटा कैपिटल ग्रोथ फण्ड-1

163.	टाटा कैपिटल हेल्थकेयर फण्ड
164.	टाटा कैपिटल इनोवेशन फण्ड लिमिटेड—i
165.	टाटा स्पेशल सुचयेशन फण्ड—ट्रस्ट
166.	166.टी0सी0जी0 इण्डिया फण्ड
167.	टीपी (TEEPEE) बेंचर कैपिटल ट्रस्ट
168.	टेरेफिर्मा रियलटी फण्ड
169.	द इण्डिया सीड इनवेस्टमेंट ट्रस्ट
170.	द इनफिन्टी इनोवेशन फण्ड
171.	द टेक्नोलॉली वेंचर फण्ड
172.	द बेंचरईस्ट फण्ड्स
173.	टी0वी0एस0 (TVS) श्रीराम ग्रोथ फण्ड
174.	अर्बन इन्फ्रास्ट्रक्चर बेंचर कैपिटल फण्ड
175.	उरजनकुर निधि ट्रस्ट
176.	यू0टी0आई0 इनवेस्टमेण्ट एडवाइजरी सर्विसस लिमिटेड
177.	बेचरईस्ट टेलनेट इण्डिया फण्ड
178.	विस्तार रेलिगेयर मीडिया फण्ड
179.	वोलरेडो बेंचर पार्टनर्स
180.	वेलफोर्ड इण्डिया इन्फ्रास्ट्रक्चर एण्ड रियलटी फण्ड
181.	बेस्ट बंगाल बी0सी0एफ0 (VCF)
182.	.योरनेस्ट एंजुल फण्ड
183.	जेफेर पीकॉक इण्डिया ii ट्रस्ट

Source : <http://www.Sebi.gov.in/Investor/venturecap.html>

भारत में शीर्ष दस सबसे सक्रिय उधम पूँजी कोष (फण्ड्स)

1.	एक्सल पार्टनर्स (Acces Partners)
2.	सिकोया कैपिटल (Sequoia Capital)
3.	नेक्सस वेंचर पार्टनर (Nexus Venture Partner)
4.	कलारी कैपिटल (Kalari Capital)
5.	ब्लूम वेंचर्स (Blume Venture)
6.	चिराताय वेंचर्स (Chirtae Ventures)
7.	वेंचर ईस्ट (Venture East)
8.	सैफ पार्टनर्स (Saif Partners)
9.	मैट्रिक्स पार्टनर्स (Matrices Partners)
10.	30 one 4 कैपिटल (3 one 4 Capital)

Source: [digest.myhq.in/top-venture Capital firms-in India startup-foundation/](https://digest.myhq.in/top-venture-capital-firms-in-india-startup-foundation/)

भारत में उधम पूँजी का वर्तमान परिदृश्य:

उधम पूँजी वित्त का वर्तमान परिदृश्य काफी अलग है। भारत में उधम पूँजी वित्तपोषण सभी के लिए खुला है, बशर्ते वे बढ़ते बाजार, एक कुशल प्रबन्ध टीम एक अभिनव व्यापार, मॉडल और घर-चलाने की क्षमता के साथ अद्वितीय (अनोखा) व्यापार विचार प्राप्त करें। एक बार जब वे सभी आवश्यक वस्तुओं के साथ एक स्टार्टअप पाते हैं जो इसे निवेश के लिए आदर्श (काल्पनिक) कराते हैं, तो उधम पूँजीपतियों को अत्यधिक लाभ हासिल करने के उद्देश्य से इसे वापस करने में कोई समय बर्बाद नहीं होता है। फिलिपकार्ट की सफलता कोई नई कहानी नहीं है और मोटे तौर पर उधम पूँजी की वजह से है कि इस फर्म ने वित्त जुटाने में कामयाबी हासिल की है। सात वर्ष से भी कम समय में इस फर्म ने बिलियन से अधिक आय (मुनाफा) अर्जित किया है। भारत में उधम पूँजी वित्तपोषण की पेशकश करने वाले निवेशक मुख्य रूप से प्रौद्योगिकी, सॉफ्टवेयर

उपक्रम, उपभोक्ता, इंटरनेट, आनलाइन फुटकर, स्वास्थ्य सेवा, ऊर्जा, विज्ञापन, रियल एस्टेट, बुनियादी ढांचा और निजी इक्विटी जैसे क्षेत्रों को लक्षित कर रहे हैं।

शीर्ष उधम पूँजी वित्त पोषित उधोग :-

2010 से 2020 तक शीर्ष पाँच उधम पूँजी वित्तपोषित उधोग उधम पूँजी कोष/विदेशी उधम पूँजी निवेशकों का निवेश का विवरण।

क्र.स.	अर्थव्यवस्था का क्षेत्र	उधम पूँजी कोष	विदेशी उधम पूँजी निवेशक	योग
1.	रियल एस्टेट	8190	485	8238
2.	दूर संचार	707	5664	6063
3.	सूचना प्रौद्योगिकी	1210	4805	5776
4.	सेवा क्षेत्र	2738	2518	3638
5.	औद्योगिक उत्पाद	1018	492	1230

चार्ट 1 प्रदर्शित करता है कि रियल एस्टेट में उधम पूँजी वित्त सबसे अधिक 8238 करोड़ रुपये के साथ शीर्ष पर था और उसके बाद दूर संचार 6063 करोड़, और सूचना प्रौद्योगिकी 5776 करोड़ अगला सेवा क्षेत्र 3638 करोड़ और अन्तिम औद्योगिक उत्पाद 1230 था/2010-2020 से अध्ययन अवधि के दौरान।

अध्ययन के परिणाम :-

1. अब 183 वेंचर कैपिटल फाइनेंस कम्पनी जो सेवी द्वारा सूचीबद्ध है।
2. एक्सेल पार्टनर्स हमारे देश में सभी उधम पूँजी वित्त कम्पनियों में शीर्ष पर है।
3. रियल एस्टेट, उधम पूँजी वित्त में नंबर एक पर है।

निष्कर्ष :-

अध्ययन से हम भारत में उधम पूँजी वित्तपोषण और इसकी चुनौतियों और संभावनाओं के बारे में एक स्पष्ट विचार प्राप्त कर सकते हैं। उधमी उधम पूँजी से अपरिचित है क्योंकि उन्हें लगता है कि उधम पूँजी निवेश पर एक असाधारण आय रिटर्न की मांग कर रही है। हालांकि, यह समझना महत्वपूर्ण है कि अच्छी परिस्थितियों में केवल उन कंपनियों की संख्या कम है जिसमें उधम पूँजीपतियों का निवेश सफल होगा। निवेशकों की नजर में इसे रखने से पहले पूँजीगत वित्त को निवेश करने से पहले सतर्क रहना चाहिए।

उधम पूँजी की भविष्य की संभावनाएं :-

उधम पूँजी भारत जैसे विकासशील देश में अधिक नवीन और विकासात्मक भूमिका निभा सकता है। यह विचारों और बदलाव प्रबन्धन कौशल वाले लोगों के माध्यम से बीमार इकाइयों के पुनः सुधार (पुनर्वास) में मदद कर सकता है। एक अन्य क्षेत्र जहाँ उधम पूँजी कोष विकासशील देशों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, वह है पर्यटन प्रकाशन और स्वास्थ्य सेवा सहित सेवा क्षेत्र/ विकासशील देशों के अनुभव और भारत में उधम पूँजी का विस्तृत अध्ययन यह दर्शाता है कि उधम पूँजी की सफलता के लिए निम्नलिखित तत्वों की आवश्यकता है। वे उधमशीलता की परंपरा राजकोषीय प्रोत्साहन, व्यापक आधारित शिक्षा उधम पूँजी प्रबन्धक, पदोन्नति के प्रयास संस्थान उद्योग संपर्क और अनुसंधान और विकास की गतिविधियां हैं।

References :-

1. A study on Determinates of Investment Decision: A venture Capital's Perspective by Prashant T.Patil, Dr. V.N. Sayankar, Dr. Madhulika A Sonawane, The International Journal of Business & Management (ISSN 2321-8916)
2. Committee, K.B. (2013) Report on Venture Capital Mumbai: SEBI.
3. A study on Pre-Investment Action of Indian Venture Capitalists by Dr. Bindiya Soni, Dr, P.K. Priya Pacific Business Review International Volume 5. Issue 12 (June 2013)
4. Selvakumar. M. Ketharaj, M. (2009). Venture Capital For startups. Facts for you. February, 29 (5), 29.32.

5. Venture Capital and Private equity in India: Systems Analysis and development Framework by Shravan k. Surineni Project report on Maser of Science in Engineering and Management at the massachusitts Institute of Technology June 2012.
6. Tenija, S. (2002). Venture Capital in india New Delhi,: Galgotia Publishing Company.
7. Toward a Model of Venture Capital Investment Decision Making Vance H. Fried and Report D. Historich financial Management Vol.23, No. 3, Venture Capital Special issue (Autumn,1994), pp.28-37)
8. Financial Management by I.M. Pandey tenth edition.

Websites.

<http://www.sebi.gov.in>

<http://sodhganga.inflibnet.ac.in/bitstrems>

<http://www.businessnewsdaily.com>.

